



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 619]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 21, 2008/कार्तिक 30, 1930

No. 619]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 21, 2008/KARTIKA 30, 1930

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 2008

सा.का.नि. 812(अ).—चूंकि वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय की दिनांक 29 सितम्बर, 2008 की अधिसूचना संख्या 702(अ) प्रकाशित की और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया। जिसे ऐसे सभी व्यक्तियों जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, से राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन की अवधि के समाप्ति से पूर्व आपेक्ष और सुझाव आमंत्रित किए गए।

और चूंकि उक्त अधिसूचना की प्रतियां, दिनांक 30 सितम्बर, 2008 को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दी गई थीं;

और चूंकि उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के अंदर प्रारूप नियमावली पर किसी भी व्यक्ति से कोई भी आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियमावली, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

- 1 (1) इन नियमों को वायुयान (पांचवा संशोधन) नियम, 2008 कहा जाएगा।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।

- 2 वायुयान नियमावली, 1937 में,-

(1) नियम 1 में, उप-नियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“(2क) भारत के अतिरिक्त अन्य सौविदाकारी राज्य में पंजीकृत विमान और पट्टे पर कारर चार्टर या विमान के अंतर्बदल या प्रचालक द्वारा ऐसी ही अन्य किसी व्यवस्था के अनुसार प्रचालित विमान के मामले में, प्रचालक, जिसके व्यापार का मूल स्थान, या अगर व्यापार का ऐसा कोई स्थान नहीं है, उसका स्थाई निवास भारत के अतिरिक्त अन्य किसी सौविदाकारी राज्य में है, उसका पंजीकरण, कार्मिकों की लाइसेंसिंग, उड़ानयोग्यता और लॉगबुक के संबंध में इन नियमों के भाग IV, V, VI और IX में निहित प्रावधानों के स्थान पर अन्य सौविदाकारी राज्य के विनियम लागू होंगे, बशर्ते कि विमान के पंजीकरण के राज्य की सरकार तथा अन्य सौविदाकारी राज्य की सरकार के मध्य कन्वेंशन के अनुच्छेद 83 बिस के अनुसरण में कावों और कर्तव्यों के हस्तान्तरण से संबंधित करार हुआ हो और इसे भारत की सरकार या अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन को सरकारी तौर पर अधिसूचित किया गया हो। ऐसे विमानों पर इन नियमों के प्रयोग का विस्तार दो सरकारों के मध्य हुए करार के अनुसार होगा।

(2) नियम 156 में,-

(i) उप-नियम (1) में, खंड (घ) के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“(घ) इन नियमों में से किसी का या वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए किसी वायुयान जिसमें विमान दिक्कालन सेवाएं भी शामिल हैं, या किसी विमानन सुविधा में प्रवेश, उसका निरीक्षण, जांच और तलाशी तथा किसी कार्मिक, दस्तावेज और किसी अभिलेख का भी निरीक्षण कर सकेगा।”

(ii) उप-नियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“(3) विमान संगठन या विमान दिक्कालन सुविधा का मालिक या प्रचालक इसके लिए प्राधिकृत व्यक्ति को उपकरण, अभिलेखों, दस्तावेजों और कार्मिक सहित विमान के किसी भाग, संगठन या विमान दिक्कालन सुविधा तक पहुंच और उप-नियम (1) में संदर्भित गतिविधियों के आयोजन में सहयोग देगा।”

[फा. सं. ए.जी.-11012/03/2007-ए]

आर. के. सिंह, संयुक्त सचिव

**टिप्पण :**—मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. बी-26, दिनांक 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उप-खंड (1) में प्रकाशित अधिसूचना सं. सा.का.नि. 722(अ), दिनांक 6 अक्टूबर, 2008 द्वारा किया गया।

#### MINISTRY OF CIVIL AVIATION

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 21st November, 2008

G.S.R. 812(E).—Whereas the draft of the Aircraft (Amendment) Rules, 2008 further to amend the Aircraft Rules, 1937, were published, as required by Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation number G.S.R. 702(E), dated the 29th September, 2008, for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to public;

And whereas copies of the said notification were made available to the public on the 30th September, 2008;

And whereas no objections or suggestions have been received from any person in respect of the draft rules within the period specified in the said notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 5 of the said Aircraft Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (5th Amendment) Rules, 2008.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Aircraft Rules, 1937, -
- (1) in rule 1, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(2A) In case of aircraft registered in a contracting State other than India and operated pursuant to an agreement for the lease, charter or interchange of the aircraft or any similar arrangement by an operator who has his principal place of business, or, if he has no such place of business, his permanent residence in another contracting State other than India, the regulations of the other contracting State relating to registration, licensing of personnel, airworthiness and log books

shall apply in place of the provisions contained in Parts IV, V, VI and IX of these rules, provided that an agreement has been reached between the Government or State of registry of the aircraft and the government of the other contracting State relating to transfer of functions and duties pursuant to Article 83 bis of the Convention and the same has been officially notified to the Government of India or the International Civil Aviation Organization. The extent of application of these rules to such aircraft shall be as per the agreement between the two Governments."

(2) in rule 156,—

(i) in sub-rule (1), for clause (d), the following shall be substituted, namely :—

"(d) enter, inspect, examine and search any aircraft or any aviation facility, including air navigation services, and also inspect any personnel, documents and records for the purpose of securing compliance with any of these rules or the provisions of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934);"

(ii) after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(3) The owner or operator of the aircraft, organization or air navigation facility shall allow the person so authorized, access to any part of the aircraft, organization or air navigation facility including equipment, records, documents and personnel and shall co-operate in conducting the activities referred to in sub-rule (1)."

[F. No. A.V.-11012/03/2007-A]

R. K. SINGH, Jt. Secy.

**Note :—**The principal rules were published in the Official Gazette *vide* notification number V-26, dated the 23rd March, 1937 and last amended by No. G.S.R. 722(E), dated 6th October, 2008 published in Part II, Section (3), Sub-section (i) of the Gazette of India.